

2 ज्योति स्तुति jyoti stuti

दीपज्योतिः परं ज्योतिः दीपज्योतिः जनार्दनः ।

दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिः नमोऽस्तुते ॥

dīpajyotiḥ param jyotiḥ dīpajyotiḥ janārdanaḥ |
dīpo haratu me pāpaṁ dīpajyotiḥ namo'stute ॥

दीपज्योति ही परम-ज्योति अर्थात समस्त ज्योतियों की ज्योति अथवा चैतन्य-प्रकाश है; दीपज्योति ही जनार्दन भगवान विष्णु है। यह दीप मेरे पापों का नाश करे—हे दीपज्योति, आपको प्रणाम।

The light of the lamp is the Supreme Light—the light of all lights, the radiance of consciousness; the lamp's light is Janārdana, Lord Viṣṇu. May this lamp destroy my sins—O light of the lamp, salutations to you.

शुभं करोतु कल्याणम् आरोग्यं सुखसम्पदः ।

द्वेषबुद्धिविनाशाय आत्मज्योतिः नमोऽस्तुते ॥

śubhaṁ karotu kalyāṇam ārogyaṁ sukhasampadaḥ |
dveṣabuddhivināśāya ātmajyotiḥ namo'stute ॥

हे आत्मज्योति—मन बुद्धि को प्रकाशमान करने वाले अंतरस्थित चैतन्य प्रकाश—आप शुभ और कल्याण करें; आरोग्य, सुख और समृद्धि प्रदान करें; द्वेषमति का विनाश करें—आपको प्रणाम।

O Inner Light—the indwelling radiance of consciousness that illumines mind and intellect—bring auspiciousness and welfare; bestow health, happiness, and prosperity; destroy the hatred-mentality—salutations to you.

आत्मज्योतिः प्रदीप्ताय ब्रह्मज्योतिः नमोऽस्तुते ।

ब्रह्मज्योतिः प्रदीप्ताय गुरुज्योतिः नमोऽस्तुते ॥

ātmajyotiḥ pradīptāya brahmajyotiḥ namo'stute |

brahmajyotiḥ pradīptāya gurujyotiḥ namo'stute ||

हे गुरुज्योति—उपदेश और कृपा की ज्योति—आपको प्रणाम; आपसे ब्रह्मज्योति प्रदीप्त हो । हे ब्रह्मज्योति—समस्त ज्योतियों की ज्योति—आपको प्रणाम; आपसे आत्मज्योति प्रदीप्त हो ।

O Guru-Light—the light of instruction and grace—salutations to you; through you may the Supreme Radiance be kindled. O Supreme Radiance—the light of all lights—salutations to you; through you may the inner light be kindled.

